ओ३म्

वैदिक संस्कृति का उद्घोषक

वैदिक सार्वदेशिक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली का साप्ताहिक मुख-पत्र

शुल्क :- एक प्रति 5 रुपया (भारत में) वार्षिक 250 रुपये तथा आजीवन 2500 रुपये

वर्ष 18 अंक 42 कुल पृष्ठ-8 22 से 28 जून, 2023 दयानन्दाब्द 198 सृष्टि सम्वत् 1960853124 सम्वत् 2080 आ. शु.-05

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के 200वें जन्म जयन्ती वर्ष एवं स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज की 17वीं पुण्यतिथि के अवसर पर

राष्ट्रीय कन्या चरित्र निर्माण एवं योग शिविर का आयोजन

शिक्षित एवं संस्कारित नारी ही मानव का निर्माण कर सकती हैं - स्वामी आर्यवेश

प्राचीन संस्कृति की रक्षा के लिए बहनें आगे आयें - प्रो. विट्ठलराव आर्य

आर्य राष्ट्र के प्रथम स्वप्न द्रष्टा थे स्वामी इंद्रवेश- स्वामी आदित्यवेश

आयुर्वेद को अपनाकर ही हम अपने जीवन को सुखमय बना सकते हैं - सत्यप्रकाश आर्य

स्वामी दयानंद सरस्वती के 200वें जन्म जयंती वर्ष तथा स्वामी इंद्रवेश जी की 17वीं पुण्यतिथि के अवसर पर दिनांक 6 से 12 जून, 2023 तक स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ आश्रम टिटौली, रोहतक, हरियाणा के परिसर में कन्या चरित्र निर्माण एवं योग शिविर का शुभारंभ मंगलवर 6 जून, 2023 को प्रारम्भ हुआ। इस शिविर का उद्घाटन आर्य संन्यासी स्वामी आर्यवेश जी की अध्यक्षता में सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के मंत्री प्रो. विट्ठलराव आर्य, रोहतक के मेयर मनमोहन गोयल, समाज सेवी नरेंद्र नांदल एडवोकेट ने ध्वजारोहण करके किया। शिविर के उद्घाटन सत्र में सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद हरियाणा के प्रधान स्वामी आदित्यवेश जी, सुनीता मल्हान, कर्नल आर. के. सिंह, अर्जुन सिंह, डॉ. महेंद्र शास्त्री, राजबीर वशिष्ठ, प्रदीप आर्य, सुभाष गुप्ता, ऋषिराज, स्वामी मुक्तिवेश, प्रदीप कुमार, दयानंद शास्त्री, कृष्ण आर्य, सुषमा आर्या, रिंकू आर्या, शशि आर्या, छवि आर्या आदि उपस्थित रहे।

आर्य समाज के युवा संगठन सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद्, बेटी बचाओ अभियान एवं युवा निर्माण अभियान के संयुक्त तत्वावधान में लगाए गये शिविर में स्वामी आर्यवेश जी ने कहा कि शिक्षित एवं संस्कारित नारी ही मानव का निर्माण कर सकती है। उन्होंने कहा कि माँ ही बच्चे का पहला गुरु होती है। यदि गुरु ही संस्कारित नहीं होंगे तो बच्चों में संस्कार कैसे पैदा होंगे। इसलिए सरकार को नारी शिक्षा पर विशेष बल देना चाहिए। यदि बेटियां शिक्षित एवं संस्कारित होंगी तो समाज संस्कारित होगा। स्वामी जी ने शिविर में उपस्थित पांच सौ से अधिक बहनों को जीवन में संस्कार, चरित्र, ईमानदारी, नैतिकता, राष्ट्रभक्ति ईश्वर भक्ति को अपनाने का संकल्प दिलाया।

स्वामी आर्यवेश ने वेदों के आधार पर सोलह संस्कारों की व्याख्या की। उन्होंने बताया कि ऋषि दयानंद द्वारा रचित ऐतिहासिक वैज्ञानिक दृष्टि से विशेष पुस्तक संस्कार विधि में इसका वर्णन किया गया है। इनमें यज्ञोपवीत संस्कार सबसे महत्वपूर्ण है। यज्ञोपवीत के तीन तार हमें अपने मां, पिता एवं गुरु के ऋण से उनकी सेवा के माध्यम से उऋण होने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने बताया कि महिलाओं को यज्ञोपवीत धारण करने का अधिकार महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने दिया है। हम सबको वेद आधारित इस संस्कार को अपनाना चाहिए।

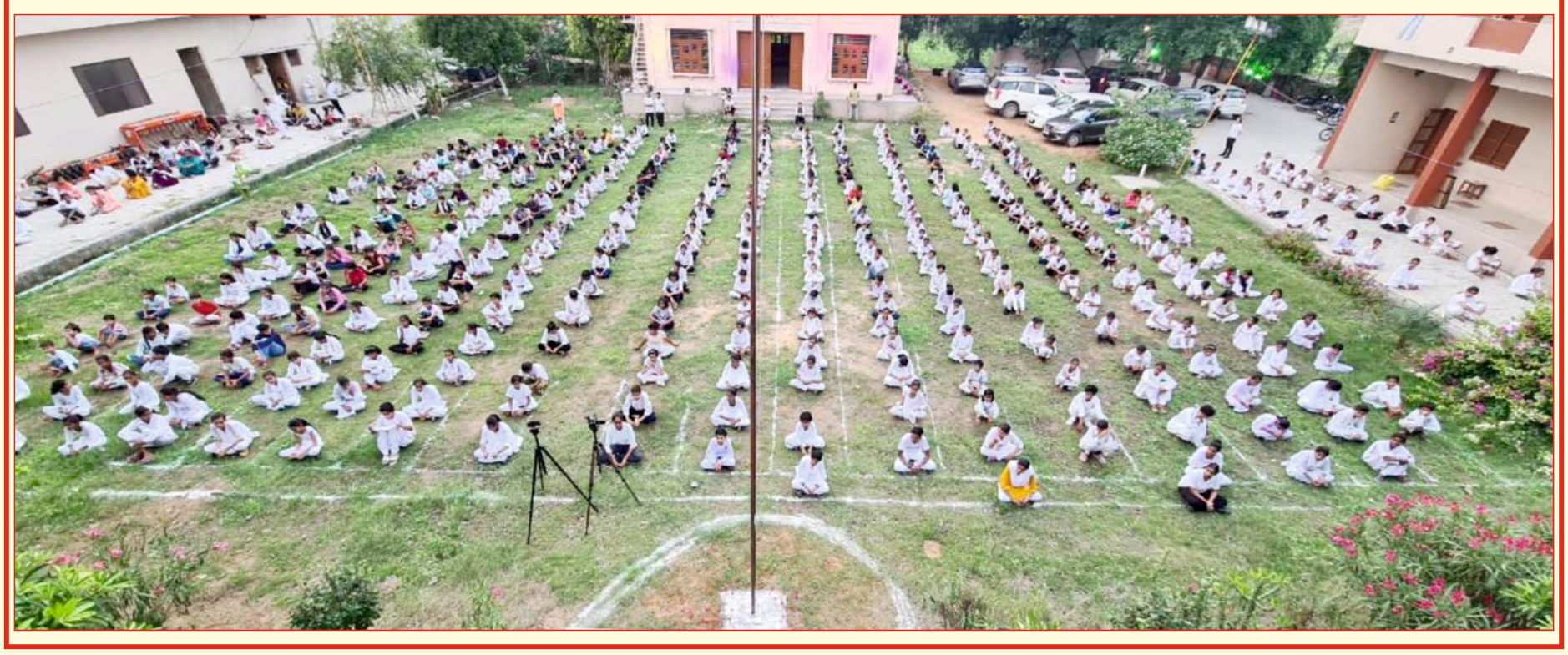

सम्पादक - प्रो. विट्ठलराव आर्य

हमारा उदेश्य आंकड़े बदला नहीं, मानसिकता बदलना है – पूनम आर्या

सुख संसाधनों में नहीं समाधान में है – डॉ. भूप सिंह

शिक्षा हो या खेल किसी भी क्षेत्र में कम नही बेटियां – प्रवेश आर्या

मुख्य अतिथि प्रो. विट्ठलराव आर्य जी ने कहा कि आप सबसे पहले जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें। उसके बाद उसे प्राप्त करने की सकारात्मक जिद जरूरी है, ताकि व्यक्ति पूरी ताकत एवं मेहनत के साथ आगे बढ़ सके। ऐसा करने पर सफलता प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि आज हमारी प्राचीन संस्कृति को नष्ट करने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। बहनें इस संस्कृति को बचाने में अहम् भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने हरियाणा में बेटी व बेटे के लिंगानुपात के सुधार का श्रेय बहन पूनम आर्या व प्रवेश आर्या के नेतृत्व में संचालित बेटी बचाओ अभियान को दिया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष एक लाख युवाओं को आर्य समाज से जोड़ा जाएगा।

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद हरियाणा के प्रधाम स्वामी आदित्यवेश जी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि स्वामी इंद्रवेश जी आर्य राष्ट्र निर्माण के प्रथम स्वप्न द्रष्टा थे। उन्होंने ही आर्य राजनीति की नींव रखी। समाज में एक आदर्श राजनीति की पहल उन्होंने ही की। आज हम उनके अधूरे स्वप्नों को पूरा करने का संकल्प लेते हैं।

श्री मनमोहन गोयल जी ने कहा कि मानसिक ताकत शारीरिक ताकत से ज्यादा शक्तिशाली होती है, जिसका प्रशिक्षण इस शिविर में दिया जाता है। बेटियां समाज का नव निर्माण करने में सक्षम होती हैं। सुरक्षित एवं स्वाभिमान से जीना सीखना होगा।

शिविर में मुख्य अतिथि नाड़ी वैद्य कायाकल्प रोहतक के संस्थापक वैद्य सत्यप्रकाश आर्य ने कन्याओं को घरेलू नुस्खे बताए व कहा कि आपकी रसोई ही आपका चिकित्सालय है। यदि हम रसोई के सामान का सदुपयोग ठीक से करते हैं तो हम बहुत सी बीमारियों से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से हमारे देश में आयुर्वेद की पद्धति से बीमारियों का इलाज होता आया है। जोकि बहुत सफल भी है। लेकिन वर्तमान भौतिकवादी युग में जल्द लाभ के नाम पर अन्य पद्धतियों का सहारा लिया जा रहा है जो इतना सरल व सस्ता आज के दिन नहीं है जितना आयुर्वेद है। यदि हम अपने जीवन को सुखमय बनाना चाहते हैं तो हमें आयुर्वेद, योग व यज्ञ की ओर लौटना पड़ेगा।

बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन पूनम आर्या ने कहा कि बेटियों को स्वयं सुरक्षा स्वाभिमान से जीने की कला अब सीखनी होगी। उन्होंने कहा कि बेटियां नारे बदलने से नही मानसिकता बदलने से बचेंगी। आज बेटियों के नाम पर विभिन्न नारे बोले जा रहें हैं लेकिन उसके बावजूद भी लड़कियों के प्रति विकृत मानसिकता कम नही हुई। आज भी लड़की को दूसरे दर्जे का माना जाता है, आज भी छेड़छाड़ की घटना, दहेज उत्पीड़न व बलात्कार आदि घटना आम बात है। इससे समाज की दोहरी मानसिकता का पता चलता है। जिस दिन समाज में लड़कियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बन जायेगा उसी दिन से समाज में एक नव परिवर्तन आएगा। उसी का प्रयास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास केवल लिंगानुपात के आंकड़े बदलना नहीं बल्कि लड़कियों के प्रति मानसिकता व व्यवहार को बदलना है।

बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय संयोजक बहन प्रवेश आर्या जी ने कहा कि आज बहनों का शिक्षा के साथ–साथ अन्य क्षेत्रों में शानदार सफलता का प्रदर्शन इस बात को भी साबित करता है कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा व खेल आज सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं इन दोनों में आज बेटियां सबसे आगे हैं। ओलिम्पिक से लेकर 10वीं, 12वीं के परीक्षा परिणाम समाज को आइना दिखाने वाले रहे हैं। जिनमें बेटियों ने देश का मान दुनिया में बढाया है। इसलिए आज बेटियों को बेहतर सुविधाएं देना जरूरी है। उनको भी लड़कों के समान अवसर मिलने चाहिए। उनको भी मान सम्मान व स्वाभिमान से जीने का अधिकार देने की आवश्यकता है। यदि हम सब मिलकर ये कर पाए तो समाज परिवर्तन से कोई नहीं रोक सकता।

श्री नरेंद्र नांदल एडवोकेट ने कहा कि आज बेटियां हर जगह अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रही हैं। आज बहनों को अधिकार मिलने लगे हैं, परंतु अधिकारों के साथ–साथ कर्त्तव्यों को बखूबी समझना चाहिए, ताकि अपने मर्यादित जीवन को दूसरों के सामने एक आदर्श जीवन के रूप में रख सकें।

सफलता चमत्कार से नही कठोर मेहनत से मिलती है – महेंद्र सिंह

सुधार की शुरुआत स्वयं से करें – कर्नल आर. के. सिंह

डॉ. भूप सिंह ने कहा कि सच्चा सुख संसाधनों में नहीं है, बल्कि समाधान में हैं। इसलिए वर्तमान समाज को बेटियों के प्रति मानसिकता बदलकर सभ्य समाज के निर्माण के लिए कार्य करने की आवश्यकता है।

कर्मिन्द्र कौर ने अपने विचार रखते हुए कहा कि आज हमें अपने बच्चों को संस्कार देने की आवश्यकता है। बच्चे अपने जीवन के निर्माण में माता–पिता तथा शिक्षकों का मार्गदर्शन मानें।

पीजीआई रोहतक के मनोचिकित्सक डॉ. पुरुषोत्तम ने विद्यार्थी जीवन में तनाव से मुक्त रहने के टिप्स दिए। किसी भी स्थिति की सिर्फ आलोचना नहीं बल्कि उससे निकलने का प्रयास करें। प्रतिदिन की दिनचर्या में योग तथा ध्यान को स्थान दें।

डॉ. प्रीति ने एग्जाम स्ट्रेस से बचने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि एग्जाम से पहले दिन पूरी नींद लें।

समाजसेवी श्री महेंद्र सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा कि सफलता मिलना कोई चमत्कार नहीं है बल्कि कठोर मेहनत का परिणाम है। आपको जीवन में सफलता के चर्म तक पहुंचना है, अपने जीवन में अनुशासन व दृढ़ निश्चय व सतत साधना को अपनाना होगा। आप अपनी दिनचर्या में सिर्फ सकारत्मक विचारों को शामिल रखें। अनावश्यक बातों से बचें।

कर्नल आर. के. सिंह ने कन्याओं को कहा यदि आप समाज में रोल मॉडल की भूमिका निभाना चाहते हैं तो अच्छाई की शुरुआत स्वयं से करनी पड़ेगी, तभी समाज व राष्ट्र में परिवर्तन तेजी से आएगा। हमें सिर्फ पत्तों को नही सींचना है बल्कि हमें जड़ों में पानी देना शुरू करना है।

पूर्व विधायक चौधरी अजीत सिंह एडवोकेट ने अपने विचार रखते हुए कहा कि वर्तमान का आर्य युवा निर्माण अभियान व बेटी बचाओ अभियान स्वामी इंद्रवेश जी की देन है।

इस सात दिवसीय कन्या शिविर में योग्य प्रशिक्षिकाओं द्वारा सर्वांगसुंदर व्यायाम, जूडो, लाठी चलाना, स्तूप निर्माण, संध्या, हवन आदि का प्रशिक्षण दिया जाता रहा है। दोपहर बाद के सत्र में युवा संसद का आयोजन किया जाता रहा। जिसमें महिला अधिकारों के ऊपर सभी प्रतिभागी शिविरार्थियों ने अपने–अपने विचार रखते रहे।

इस सात दिवसीय शिविर के दौरान 10 जून को शहर में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। इस विशाल शोभा यात्रा वाहनों के माध्यम से सायं 5.30 बजे स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ टिटौली से प्रारंभ होकर सुंदरपुर होती हुई जींद बाईपास, सुखपुरा चौंक से मॉडल टाउन पहुंचेगी। इस विशाल शोभा यात्रा को आर्य नेता स्वामी आर्यवेश जी ने ओ३म् ध्वज दिखाकर रवाना किया। यह विशाल शोभा यात्रा मॉडल टाउन से पावर हाउस होती हुई मानसरोवर पार्क पर संपन्न हुई।

स्वामी इंद्रवेश स्मृति सम्मान समारोह में आर्य विरक्त सम्मान स्वामी व्रतानंद सरस्वती (उड़ीसा) को, वैदिक विद्वान सम्मान डॉ सुरेंद्र कुमार डीन महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक तथा दयानंद शास्त्री को दिया गया। भजनोपदेशक सम्मान से कुमारी अंजली आर्या को एवं युवा सम्मान से राजस्थान के श्री भंवर लाल आर्य, श्री जितेंद्र सिंह, श्री हरिसिंह, श्री गजेसिंह, श्री मदन गोपाल, श्री शिवजी सोनी को सम्मानित किया गया। इनके अतिरिक्त 21 महानुभावों को आर्य गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

शिविर के दौरान सर्वश्री विरजानंद एडवोकेट, आचार्य बलबीर, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के डीन डॉक्टर सुरेंद्र कुमार, आजाद सिंह, भंवरलाल आर्य, सज्जन राठी, वीरेंद्र एडवोकेट, दयानंद शास्त्री, जगदीश, अंजलि आर्या, कल्याणी आर्या, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में फिजिक्स के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. भूप सिंह, जिला महिला एवं बाल संरक्षण अधिकारी कर्मिंद्र कौर, पूनम रंगा, पीजीआई रोहतक के मनोचिकत्सक डॉ. पुरुषोत्तम, डॉ. गंधर्व दुआ, पूर्व डीएसपी अर्जुन सिंह आदि ने भी अपने विचार रखे।

12 जून को राष्ट्रीय कन्या चरित्र निर्माण शिविर का समापन हुआ। समापन अवसर पर आर्य महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया तथा भव्य व्यायाम प्रदर्शन भी आयोजित किया गया। सात दिवसीय यह कन्या चरित्र निर्माण शिविर भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ।

स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ आश्रम में आयोजित कन्या चरित्र निर्माण शिविर की चित्रमय झलकियाँ

स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ आश्रम में आयोजित कन्या चरित्र निर्माण शिविर की चित्रमय झलकियाँ

स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ आश्रम में आयोजित युवा निर्माण शिविर की चित्रमय झलकियाँ

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के 200वें जन्म जयन्ती वर्ष एवं स्वामी इन्द्रवेश जी की पुण्यतिथ के उपलक्ष्य में स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ आश्रम, टिटौली, रोहतक में युवा निर्माण शिविर का आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न

स्वामी दयानंद जी के 200वें जन्म जयंती वर्ष के दौरान 200 युवा निर्माण शिविरों का आयोजन होगा – आर्यवेश

युवाओं को सुसंस्कारित और कर्त्तव्यनिष्ठ बनाना हमारा लक्ष्य – स्वाम आदित्यवेश

आजादी के आंदोलन में आर्य समाज का योगदान सबसे अधिक – प्रो. वीरेंद्र

सच्चा सुख हमें ईश्वर से मिलता है – बहन पूनम आर्या

देश को एक नई दिशा देने वाले पहले दार्शनिक थे स्वामी दयानंद – अजय भारद्वाज

युवा निर्माण शिविर में युवाओं का करवाया गया यज्ञोपवित संस्कार

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद द्वारा आयोजित पांच दिवसीय 13 से 17 जून, 2023 तक प्रांतीय युवा निर्माण शिविर 17 जून, 2023 को भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। स्वामी इंद्रवेश जी की पुण्यतिथि तथा स्वामी दयानंद सरस्वती जी के 200वें जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित शिविर में उपस्थित सभी युवाओं ने बुराइयों से दूर रहने का संकलप लिया।

स्वामी आर्यवेश जी ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती के 200वें जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर हरियाणा के जींद जिले में आयोजित होने वाले सम्मेलन की तैयारी के लिए हरियाणा प्रांत के 200 गांव में युवा निर्माण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिनके माध्यम से युवाओं को नशाखोरी, अश्लीलता, पाखंड, अंधविश्वास से दूर रहने का संकल्प दिलवाया जायेगा। स्वामी आर्यवेश जी ने कहा कि अवसर का लाभ उठाने वाला व्यक्ति जल्दी ही अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेता है।

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद हरियाणा के प्रधान स्वामी आदित्यवेश जी द्वारा शिविर में उपस्थित युवाओं का यज्ञोपवित संस्कार करवाया गया। स्वामी आदित्यवेश ने बताया कि स्वामी दयानंद जी ने संस्कार विधि में सोलह संस्कारों का वर्णन किया है। ऋषि दयानंद द्वारा रचित ऐतिहासिक व वैज्ञानिक दृष्टि से विशेष पुस्तक संस्कार विधि में यज्ञोपवित संस्कार सबसे महत्वपूर्ण है। यज्ञोपवित के तीन तार हमें अपने मां, पिता एवं गुरू के ऋण से उनकी सेवा के माध्यम से उऋण होने की प्रेरणा देते है। स्वामी जी ने कहा कि यदि देश के प्रत्येक युवा स्वामी दयानन्द सरस्वती जी के विचारों पर चलें तो निश्चित रूप से देश का भला हो सकता है। चरित्रवान, निष्ठावान, सुसंस्कारित, सत्यवादी युवक ही देश को उच्च शिखर तक ले जा सकते हैं। स्वामी आदित्यवेश ने कहा कि युवाओं के निर्माण से ही राष्ट्र का निर्माण संभव है। आज युवाओं के निर्माण की जिम्मेदारी सरकार एवं समाज की संयुक्त रूप से बनती है। इसलिए सबको मिलकर युवा निर्माण अभियान को ताकत देनी चाहिए।

परिषद के कार्यकारी प्रधान श्री सज्जन सिंह राठी ने बताया कि महिलाओं को यज्ञोपवित धारण करने का अधिकार महर्षि दयानंद जी ने दिलाया था। स्वामी दयानन्द सरस्वती जी ने जब यह बात रखी थी तो उस समय पूरे जगत में हलचल मच गई थी। इस बात का जोर–शोर से विरोध भी हुआ, लेकिन वे अपने निश्चय से नहीं हटे और अन्ततः वेद आधारित इस संस्कार को सभी को स्वीकार करना पड़ा था। उसी का परिणाम है कि आज जहां पुरूषों को यज्ञोपवित का अधिकार है वहीं महिलाएं भी यज्ञोपवित धारण कर अपने जीवन को उज्ज्वल बना सकती हैं।

प्रो. वीरेंद्र ने कहा कि आर्य समाज की विचारधारा आज के समय में और अधिक प्रासंगिक हो गई है जातिवाद, सांप्रदायिकता, शोषण, नशाखोरी आदि बुराइयों के खिलाफ जितनी ताकत के साथ आर्य समाज संघर्ष कर रहा है उतना अन्य कोई संस्था दिखाई नहीं देती उन्होंने कहा की आजादी के आंदोलन में आर्य समाज का सर्वाधिक योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष पट्टाभी सीतारमैय्या ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि स्वतंत्रता के आंदोलन में सबसे अधिक आर्य समाज का योगदान रहा है।

बहन पूनम आर्या ने कहा की स्वयं पर नियंत्रण करने वाला व्यक्ति ही ईश्वर को प्राप्त कर सकता है और सच्चा सुख ईश्वर से ही प्राप्त होता है। उन्होंने योग के अष्टांग योग के आठ अंगों की व्याख्या करते हुए कहा कि योग दिखावे का नही आचरण का विषय है। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ संस्कार देने पर भी जोर देना चाहिए। संस्कारी विद्यार्थी ही समाज के नवनिर्माण में योगदान दे सकता है। हमें बच्चे को भौतिकवाद की मशीन का पुर्जा नहीं बल्कि मानवता की भावना को संजोए रखने वाला मानव भी बनाना है। उन्होंने कहा कि बहनों का सम्मान युवाओं के हाथ में है आज उनको और ज्यादा सकारात्मक तथा जिम्मेदारी के साथ समाज में कार्य करने की आवश्यकता है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में फिजिक्स के पूर्व प्रोफेसर डॉ. भूप सिंह ने कहा की वैदिक शिक्षा प्रणाली संस्कारों की जननी है। उन्होंने कहा कि आर्य समाज द्वारा आयोजित शिविरों में मानव निर्माण के साथ–साथ संस्कृति को बचाने व ऋषियों की परंपरा को आगे बढ़ाने के कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लार्ड मैकाले की शिक्षा प्रणाली के आधार पर देश में नैतिक रूप से सम्पन्न नागरिक तैयार नहीं किये जा सकते। पूरे देश में राष्ट्रवादी युवाओं के निर्माण व मातृ–पितृ सेवाभावी बच्चे तैयार करने के लिए ऐसे आयोजन आवश्यक हैं।

मौलिक अध्यापक संघ हरियाणा के महासचिव श्री अशोक आर्य ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के नवनिर्माण में अहम भूमिका निभा सकता है। यह शिक्षक पर निर्भर करता है कि वह बच्चे को किस तरह का नागरिक बना कर समाज को देते सकते हैं।

इस पांच दिवसीय शिविर में आचार्य सहसरपाल के निर्देशन में योगासन, सर्वांगसुंदर व्यायाम, जूडो–कराटे, स्तूप निर्माण, लाठी चलाना, प्राचीन भारतीय खेल आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविर के मुख्य आचार्य सहसरपाल आर्य, प्रदीप कुमार, रामबीर आर्य, अनिल सिंह, ऋषिराज शास्त्री आर्य, उत्तम आर्य, साहिल आर्य, राजेश आर्य, अजय आर्य, गुलाब सिंह, अजीतपाल आर्य आदि की उपस्थिति बनी रही।

शिविर के दौरान सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद हरियाणा के अधिकारियों ने आगन्तुक अतिथियों का महर्षि दयानंद सरस्वती जी का चित्र भेंट करके सम्मान किया गया।

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् युवा निर्माण अभियान एवं स्वामी इंद्रवेश फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रांतीय युवा चरित्र निर्माण एवं योग शिविर का 17 जून, 2023 को स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ टिटौली में भव्य समापन हुआ। समापन सत्र की अध्यक्षता आर्य नेता स्वामी आर्यवेश जी ने की। जबकि मुख्य अतिथि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार प्रोफेसर वीरेंद्र जी, विशिष्ट अतिथि नाड़ी वैद्य कायाकल्प रोहतक के संस्थापक वैद्य सत्य प्रकाश आर्य जी एवं मुख्य वक्ता बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय अध्यक्षा बहन पूनम आर्या जी रहीं। इनके अतिरिक्त पूर्व विधायक श्री अजीत सिंह एडवोकेट, युवा विद्वान् डॉ. श्याम देव आचार्य, डॉ. विवेकानंद शास्त्री, डॉ सत्यव्रत, डॉ इंद्रजीत राणा, डी.एस.पी. अर्जुन सिंह, मास्टर श्यामलाल आदि ने भी युवाओं को संबोधित किया।

समापन सत्र के दौरान व्यायाम प्रदर्शन का संचालन परिषद् के राष्ट्रीय व्यायमाचार्य सहसरपाल आर्य ने किया। उनका सहयोग सोनू आर्य, गुलाब सिंह आर्य, अनिल आर्य, उत्तम आर्य, साहिल आर्य, रामवीर आर्य तथा राजेश आर्य ने किया। बच्चों ने कठिन आसान, जूडो, तथा कमांडो आदि का भव्य प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर बहन प्रवेश आर्या, अशोक आर्य, स्वामी मुक्तिवेश, राजबीर वशिष्ठ, डॉक्टर नारायण, ऋषिराज शास्त्री, अजमेर शास्त्री आदि उपस्थित रहे।

पंजीयन संख्या (R.N.I. No.)- DELMUL/2005/15488
डाक पंजीकरण संख्या DL(c)-01/1213/2021-23
Licence to Post without prepayment of Postage. U (c)-289/2021-23

सोशल मीडिया के माध्यम से स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ें

आर्य समाज के त्यागी, तपस्वी एवं तेजस्वी संन्यासी स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें :- www.facebook.com/SwamiAryavesh व फेसबुक पेज को लाइक करें तथा अन्य मित्रों को भी प्रेरित करें।

ई-मेल : aryavesh@gmail.com
Tel. :-011-23274771

प्रतिष्ठा में :–

अवितरण की दशा में लौटाएँ –
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा आयोजित आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर हुआ सम्पन्न

महर्षि दयानन्द का सन्देश घर–घर पहुंचाने का संकल्प लें –डा. अशोक कुमार चौहान

युवा निर्माण का कार्य परिषद् तीव्र गति से चलाएगा –अनिल आर्य

नोएडा, रविवार, 11 जून 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 44, नोएडा में डॉ. अमिता चौहान व डॉ. अशोक कुमार चौहान के सानिध्य में चल रहे आठ दिवसीय "आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर" हर्षोल्लास के वातावरण में हुआ सम्पन्न।

एमिटी शिक्षण संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार चौहान ने आह्वान किया कि महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती पर महर्षि दयानंद का सन्देश घर–घर तक पहुंचाने का संकल्प लें। संस्कारित युवा ही देश और विश्व को बदलेंगे, उन्होंने कहा की महर्षि दयानंद क्रांतिकारियों के सिरमौर थे, उनका जीवन सदियों तक समाज का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। उन्होंने केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल आर्य को इस शिविर के सुन्दर आयोजन के लिए बधाई और आशीर्वाद दिया।

प्रिंसिपल रेनू सिंह ने कहा कि महर्षि दयानन्द ने नारी उत्थान के लिए उल्लेखनीय कार्य किया है, महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, उनको और अधिक सम्मान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा आर्य युवक परिषद् सराहनीय कार्य कर रही है मेरी शुभकामनाएं सदैव इनके साथ है।

केंद्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल आर्य ने कहा कि परिषद् चरित्र निर्माण शिविरों का अभियान चलाएगी। युवाओं को मातृ–पितृ भक्त, देश भक्त, ईश भक्त बनाने का हमारा लक्ष्य है, जब ऐसे युवा तैयार होंगे तो कोई माता पिता वृद्ध आश्रम नहीं जायेंगे।

इस अवसर पर डॉ. डी.के. गर्ग, ब्रिगेडियर मुक्ति कांत महापात्रा, कैप्टन अशोक गुलाटी, स्वामी सूर्यवेश, माता कांता काम्बोज आदि ने भी अपने विचार रखे।

एमिटी के श्री रोहित कपूर ने शिविरार्थियों से कहा कि शुरू से ही आपकी गतिविधियों को देखता रहा हूं आज आपके भव्य प्रदर्शन को देखकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने बच्चो को शुभ कामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी एक दिन देश का नाम रोशन कीजिएगा।

आर्य गायक रमेश चंद्र स्नेही, प्रवीण आर्य, पिंकी आर्या, दीनानाथ नागिया के मधुर भजन हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ यज्ञ के माध्यम से आचार्य मनोज शास्त्री ने किया।

शिक्षक योगेन्द शास्त्री, सौरभ गुप्ता, नसीब सिंह, वीरेन्द्र आर्य, विकास कुमार आदि ने शिविरार्थियों को आठ दिनों में योगासन, प्राणायाम, लाठी, बाक्सिंग, सैनिक शिक्षा का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जो अपने आपमें आकर्षण का केन्द्र बना रहा।

शिविर के दौरान प्रमुख रूप से सुश्री आस्था आर्या, कमल आर्य, यज्ञवीर चौहान, अरूण आर्य, विवेक अग्निहोत्री, त्रिलोक सिंह, रोहित आर्य, रामदेव आर्य, सुभाष शर्मा, चौधरी मंगल सिंह, डॉ. प्रमोद सक्सेना आदि उपस्थित थे।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा आयोजित जम्मू में आर्य युवा चरित्र निर्माण शिविर हुआ सम्पन्न

युवा पीढ़ी का निर्माण करना हमारा लक्ष्य है – अनिल आर्य

यज्ञ को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं –अजय सहगल

जम्मू, रविवार 18 जून, 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जम्मू कश्मीर के तत्वावधान में गत् एक सप्ताह से आर्य समाज जानीपुर कॉलोनी, जम्मू में चल रहे आर्य युवा चरित्र निर्माण शिविर का प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुभाष बब्बर की अध्यक्षता में भव्यतापूर्ण हुआ सम्पन्न। शिविर में 110 बच्चों ने भारतीय संस्कृति एवं यज्ञ की शिक्षा ली। इसके साथ ही योगासन, प्राणायाम, लाठी, जूडो, कराटे एवं आत्म रक्षा का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल आर्य जी ने कहा कि पूरे देश में चरित्रवान युवा पीढ़ी का निर्माण करना हमारा लक्ष्य है। आज समय की आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी माता पिता के आज्ञाकारी बनें, ईश्वर विश्वासी हों साथ ही देश भक्त बनें। संस्कार ही व्यक्ति की नींव का निर्माण करते हैं, संस्कार विहीन व्यक्ति पशु के समान है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को राष्ट्रभक्त बनाने के लिए उन्हें संस्कारित करना अत्यन्त आवश्यक है।

मुख्य अतिथि ज्वाइंट डायरेक्टर नॉर्थन कमान श्री अजय सहगल ने कहा कि हम दिन भर वायु प्रदूषण करते हैं। अतः हमें चाहिए कि यज्ञ करके वातावरण को शुद्ध करें। उन्होंने एक ईवर ओ३म् की उपासना का सन्देश दिया।

ए.डी.सी. श्री हरदयाल सिंह ने भी बच्चों के संस्कार निर्माण कार्य पर प्रसन्नता जताए हुए कहा कि आर्य समाज का कार्य सराहनीय है।

शिविर के दौरान बच्चों द्वारा व्यायाम प्रदर्शन के सुन्दर कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए।

पार्षद सुनीता गुप्ता, सत्य प्रिय शास्त्री, मनोहर बब्बर, कपिल बब्बर, रूही बब्बर, अमित महाजन ने सभी का आभार

बच्चों के संस्कार निर्माण का कार्य सराहनीय है – हरदयाल सिंह

व्यक्त किया तथा पिंकी आर्या, दीप सहगल, अरूण आर्य के मधुर भजन हुए।

बच्चों को शिविर के दौरान शिक्षक सौरभ गुप्ता, योगेन्द्र शास्त्री, अरूण आर्य, नसीब सिंह, अनिल कुमार, पायल गर्ग, श्रुति आदि ने प्रशिक्षण दिया। आचार्य वेदांशु शास्त्री ने संचालन किया।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सोनिया आनंद, मुकेश मैनी, पवन कुमार, धर्मपाल आर्य (दिल्ली), आस्था आर्या आदि उपस्थित थे।

प्रो० विट्ठलराव आर्य, सभा मंत्री, प्रकाशक व मुद्रक द्वारा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, 3/5 महर्षि दयानन्द भवन, (रामलीला मैदान/आसफ अली रोड), नई दिल्ली-110002 के लिए प्रकाशित तथा ज्योति प्रिंटिंग प्रेस, ई-94, सैक्टर-6, नोएडा-201301 से प्रकाशित एवं मुद्रित। (दूरभाष : 011-23274771)
सम्पादक : प्रो० विट्ठलराव आर्य (सभा मन्त्री) मो.:0-9849560691, 0-9013251500 ई-मेल : sarvadeshik@yahoo.co.in, sarvadeshikarya@gmail.com वैबसाइट : www.vedicaryasamaj.com
वैदिक सार्वदेशिक साप्ताहिक में छपे लेखों तथा विचारों से सम्पादक या सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की सैद्धान्तिक मतैक्यता होना अनिवार्य नहीं है।